Title:-"दादुपुर नलवी न्याय युद्ध" धरना 22,
अनाज मण्डी,शाहबाद,कुरुक्षेत्र(हरियाणा)

दादूपुर नलवी परियोजना को रद्द करना है गैरकानूनी औरकिसान-विरोधी-सुरजेवाला
'दादूपुर नलवी नहर परियोजना को रद्द करने के विरोध मेंकांग्रेस ने शाहबाद में किया धरना-विरोध प्रदर्शन'
कांग्रेस सरकार बनने पर बहाल करेंगे दादूपुर नलवी नहरपरियोजना - सुरजेवाला
प्रेस विज्ञप्ति
शाहबाद, 22 अक्टूबर, 2017

दादूपुर नलवी परियोजना को प्रदेश मंत्रीमंडल द्वारा रद्द कियाजाना किसान-विरोधी होने के साथ-साथ गैरकानूनी और संविधान केभी खिलाफ है। कांग्रेस इस जनविरोधी और गैरकानूनी कदम का हरस्तर पर विरोध करेगी। यह घोषणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व भारतीयराष्ट्रीय कांग्रेस के मीडिया प्रभारी, श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला नेआज शाहबाद में पूर्व विधायक अनिल धंतौड़ी द्वारा आयोजित एकविशाल धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए की। दादूपुर नलवी नहरबचाने के लिए जारी न्याय-युद्ध के तहत क्रमिक भूखहड़ताल एवंधरना आज 51 वें दिन में प्रवेश कर गया।

धरना प्रदर्शन में किसान यूनियन के प्रधान व किसान नेतागुरनाम सिंह चढ़ूनी और हरपाल सिंह के अलावा उत्तरी हरियाणा केविभिन्न जिलों से आए हजारों किसानों ने भाग लेकर प्रदेश भाजपासरकार द्वारा दादूपुर नलवी नहर परियोजना को रद्द करने के फैसलेपर कड़ा विरोध जताया। श्री सुरजेवाला के नेतृत्व में आयोजित इसविरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के अनेक पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों औरनेताओं ने भी भाग लिया।

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए श्री सुरजेवाला ने कहा किप्रदेश की भाजपा सरकार का रवैया पूरी तरह से किसान-विरोधी है।किसानों को दादूपुर नलवी नहर परियोजना का पूरा मुआवजा देने कीबजाए प्रदेश के मंत्रीमंडल ने इस संबंध में लाए गए एक संशोधनबिल को राष्ट्रपति की मंजूरी के बिना ही गैरकानूनी रूप से इसपरियोजना को रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि कांगे्रस किसानों कीइस लड़ाई में पूरी तरह से उनके साथ है और इस संघर्ष में किसानों केहकों की लड़ाई को अदालत के अलावा विधानसभा के अंदर औरबाहर भी मजबूती से लड़ा जायेगा।

श्री सुरजेवाला ने कहा कि प्रदेश के किसान खट्टर सरकार केइस गलत फैसले को स्वीकार नहीं करेंगे और पूरी कांग्रेस पार्टीकिसानों की इस लड़ाई में उनके साथ है। उन्होंने कहा कि सरकार केइस जनविरोधी फैसले से अंबाला, यमुनानगर और कुरुक्षेत्र जिलों के225 गांवों की लगभग एक लाख हेक्टेयर जमीन को सिंचाई केसंसाधनों से वंचित होना पड़ेगा, जिससे भाजपा की किसान विरोधीसोच का पता चलता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के इसफैसले से एक बार फिर सिद्ध हो गया है कि उसे गरीबों और किसानोंके हितों से कोई सरोकार नहीं है।

श्री सुरजेवाला ने याद दिलाया कि दादूपुर नलवी सिंचाई योजना1985 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा शुरु की गई थी। अक्टूर 2005 में कांग्रेस ने ही एक बार फिर से इस योजना का नया चरणचालू किया और किसानों को सिंचाई उपलब्ध करवाने के लिएशाहबाद फीडर, शाहबाद डिस्ट्रब्यूटरी और नलवी डिस्ट्रीब्यूटरी केलिए 1019 एकड़ जमीन को अधिग्रहित किया गया। जमीनअधिग्रहण के लिए प्रदेश सरकार द्वारा अभी तक लगभग 200 करोड़रूपए भुगतान किए जा चुके हैं। इसके अलावा सिंचाई विभाग द्वाराइन नहरों को बनाने में 111 करोड़ 17 लाख रूपए खर्च किए जा चुकेहैं। 300 करोड़ रूपए से ज्यादा खर्च करने के बाद उत्तरी हरियाणा केलिए बेहद जरूरी इस परियोजना को रद्द करके खट्टर सरकार ने उत्तरीहरियाणा के लाखों किसान परिवारों के हितों पर कुठाराघात कियाहै।

'सुरजेवाला आगे बढ़ो, हम तुम्हारे साथ हैं' के नारों के बीच श्रीसुरजेवाला ने घोषणा की कि कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने परकिसानों को फसलों के पूरे दाम दिए जाएंगे और उन्हें कर्ज केचक्रव्यूह से बाहर निकालने के लिए कर्जामाफी की जाएगी। उन्होंनेकहा कि केंद्र और हरियाणा की भाजपा सरकारों ने किसान कीफसल की 'लागत +50 प्रतिशत मुनाफा' देने का वायदा कर सत्ताहथियाई और सिंहासन पर बैठते ही सबसे पहले किसान-मजदूर केहकों पर कुठाराघात किया। किसानों पर पुलिस लाठीचार्ज काहवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जब करनाल-कुरुक्षेत्र-शाहबाद-अंबाला का किसान आलू व टमाटर की फसलें 2 रूपए किलो से भीकम की बिकावली के विरोध में सडक़ों पर उतरा तो खट्टर सरकार नेउन पर लाठियाँ भांजी। यही हाल पापुलर व सफेदे की लकड़ी काहुआ, जिसके दाम 1200-1400 रूपए प्रति क्विंटल से गिरकर 600-800 रूप्ए प्रति क्विंटल तक आ गए और किसान को भारी नुकसान उठाना पड़ा।